RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 102
दि. 10.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी आज बंगलूरू को देंगे यलो लाइन मेट्रो, वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बंगलूरू में यलो लाइन मेट्रो और बंगलूरू-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय

के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह 10.30 बजे एचएएल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वह पहले केएसआर बंगलूरू स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

19.15 किमी लंबी यलो लाइन पर 16 स्टेशन हैं, जिसकी लागत 5,056.99 करोड़ रुपये है।

नागपुर में निमार्णाधीन इमारत ढही, लगभग 16 मजदूर हुए घायल, बचाव कार्य जारी

महाराष्ट्र के नागपुर में एक निमार्णाधीन इमारत का हिस्सा ढह गया, जिससे 15 से 16 मजदूर घायल हो गए हैं। यह घटना खापरखेड़ा से कोराडी मंदिर मार्ग पर एक गेट के निर्माण के

दौरान हुई। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नागपुर के डीएम डॉ. विपिन इटनकर ने इस घटना पर जानकारी देते हुए बताया, "जब स्लैब के लिए आरसीसी (रिइन्फोर्स्ड सीमेंट कॉन्क्रीट) डाली जा रही थी, तभी वह ढह गई। इसमें काम कर रहे 15 से 16 मजदूरों को हल्की चोटें आई हैं।"

खान सर का रक्षाबंधनः पटना में 'शिक्षक' को 15 हजार बहनों ने

बांधी राखी, पूछा-भाभी कहां हैं?

धार्मिक सीमाओं को पार करते हुए हजारों हिंदू बहनों से कलाई पर रक्षा सूत्र सजवाने वाले देश के चर्चित शिक्षक खान सर ने रक्षाबंधन 2025 पर भी एक नई मिसाल कायम की है। बिहार की राजधानी पटना स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 9 अगस्त (शनिवार) को खान सर की रक्षाबंधन में पढ़ाई और स्नेह का रिश्ता धर्म की दीवारें लांघकर भाई-बहन के पवित्र बंधन में बदल गया। इस साल 15,000 से ज्यादा छात्राओं ने अपने

'पिछले 10 सालों में भारत ने की ऐतिहासिक प्रगति', ब्राजील ने पीएम मोदी को लेकर भी कही बड़ी बात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, भारत की प्रगति का पुरजोर समर्थन करते हुए भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स दा नोब्रेगा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और पिछले एक दशक में देश के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही क्षेत्रों में हुए विकास को शानदार बताया। उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा को मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा रक्षा, ऊर्जा, दवा, क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं

भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं लेकिन...

उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा को मील का पत्थर बताया। विशेष बातचीत में राजदूत दा नोब्रेगा ने कहा कि भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं है, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने जो देखा है वह वाकई शानदार विकास है। बेशक, हम कोई फैसला नहीं सुना सकते हैं, लेकिन प्रगति स्पष्ट है।

रक्षा, ऊर्जा, दवा, क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं

उन्होंने कहा कि अगर मैं गलत नहीं हूं तो पिछले 20 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ये पहली ब्राजील यात्रा है। उन्होंने कहा कि रक्षा, ऊर्जा, दवा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। पिछले दो वर्षों में ब्राजील से 77 कारोबारी प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया, जबकि भारत से 40 मिशन ने ब्राजील में संभावनाएं टटोलीं।

एसआई पेपर लीक कांड में बड़ा खुलासाः पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के पीएसओ व बेटे की गिरफ्तारी

(जीएनएस)।

राजस्थान में 2021 की सब-इंस्पेक्टर भर्ती, जो युवाओं के सपनों का दरवाजा खोलने वाली मानी जा रही थी, अब सत्ता के गलियारों में फैले एक संगठित रैकेट का प्रतीक बन गई है। ताजा घटनाक्रम में एसओजी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव और उनके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पीएसओ ने अपने ही बेटे को पास कराने के लिए परीक्षा का पेपर खरीदना।

मीडिया की खबरों के अनुसार शनिवार देर रात हुई इस कार्रवाई में राजस्थान एसओजी की टीम सीधे जयपुर के उस पते पर पहुंची, जहां राजकुमार यादव मौजूद थे। साथ ही भरत यादव को भी हिरासत में लिया गया। शुरूआती पूछताछ में यह साफ हो गया कि भरत ने लिखित परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन फिजिकल टेस्ट में असफल रहा। यह सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का मामला नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा था।

आरपीएससी सदस्य से लिया पेपर

राजकुमार यादव सिर्फ गहलोत के PSO ही नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भी सुरक्षा अधिकारी रह चुके थे। यही वह दौर था जब उनकी नजदीकी मंत्री के निजी सचिव कुंदन कुमार पांड्या से हुई। पांड्या पर आरोप है कि उन्होंने आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा से पेपर हासिल कर, इसे चुनिंदा लोगों तक पहुंचाया, जिनमें एक नाम राजकुमार का था।

स्कूल से शुरू हुआ खेल

पेपर जयपुर में हसनपुरा के एक निजी स्कूल से लीक हुआ। वहां के प्रिंसिपल और परीक्षा अधीक्षक राजेश खंडेलवाल ने 10 लाख रुपए लेकर प्रश्नपत्र बाहर भेजा। एक युवक विवेक उर्फ यूनिक ने स्ट्रॉन्ग रूम से लिफाफा चीरकर फोटो निकाली और वॉट्सऐप पर भेज दी।

यह तकनीकी और मानवीय लापरवाही का ऐसा संगम था, जिसने पूरे सिस्टम को चकमा दे दिया।

सरकार बदली, जांच बदली

साल 2023 में राजस्थान सरकार बदलने के बाद एसआईटी गठित की गई और मार्च 2024 से गिरफ्तारी का सिलसिला शुरू हुआ। अब, राजकुमार यादव की गिरफ्तारी ने मामले को सीधे सत्ता के पूर्व गलियारों से जोड़ दिया है। राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहा है। क्या आने वाले दिनों में और बड़े नाम सामने आएंगे?

युवाओं के भरोसे पर चोट

859 पदों के लिए आयोजित राजस्थान पुलिस एसआई भर्ती 2021 में कुल 7.97 लाख उम्मीदवारों ने इस भर्ती के लिए आवेदन किया था। 3.80 लाख ने परीक्षा दी। हजारों युवाओं के सपनों से खेलना सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि एक पीढ़ी के विश्वास को तोड़ने जैसा है।

'महाराष्ट्र मे मिली थी 160 सीट जिताने की गारंटी लेकिन राहुल गांधी', शरद पवार ने किया चौंकाने वाला खुलासा

(जीएनएस)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी द्वारा कथित चुनावी अनियमितताओं पर दिए गए बयान की प्रशंसा की है। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा गांधी से एक अलग हलफनामा मांगने की आलोचना भी की। इसके साथ ही शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ा ही चौंकाने वाला खुलासा किया है।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने खुलासा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले दो लोग उनसे मिले थे। इन लोगों ने उन्हें 288 सीटों में से 160 सीटें जीतने की गारंटी देने का दावा किया था।

पवार ने बताया, "मैंने इन लोगों की मुलाकात राहुल गांधी से करवाई। उन्होंने गांधी को अपनी पेशकश बताई, लेकिन हम दोनों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कहा, 'यह हमारा तरीका नहीं है।' हमें शायद इसे इतनी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए था, लेकिन मुझे अब भी याद है कि विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले, दो लोग दिल्ली में मुझसे मिलने आए थे।"

शरद पवार ने आगे कहा, "उन्होंने मुझे बताया कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं, और वे हमें उनमें से 160 सीटों की गारंटी दे सकते हैं। मैं हैरान था। मैं स्पष्ट कर दूं कि भले ही उन्होंने ऐसी गारंटी का दावा किया हो, मुझे चुनाव आयोग पर कोई संदेह नहीं था। लेकिन ऐसे लोग आते रहते हैं, इसलिए मैंने उन्हें नजरअंदाज कर दिया।"

शरद पवार ने स्पष्ट किया, "मैंने राहुल गांधी के साथ उनकी मुलाकात तय की। उन्होंने उन्हें वह सब बताया जो वे चाहते थे। हालांकि, राहुल गांधी और मुझे दोनों को लगा कि हमें ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह हमारा रास्ता नहीं है। हमने फैसला किया कि हम लोगों के सामने जाएंगे और उनका समर्थन हासिल करने के तरीके तलाशेंगे।"

भारत ने पाकिस्तान के 5 फाइटर जेट मार गिराए, आईएएफ के खुलासे पर तिलमिलाया पाकिस्तान, जाने क्या कहा

(जीएनएस)।

भारतीय वायु सेना प्रमुख ए.पी. सिंह ने शनिवार को खुलासा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान S-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पांच पाकिस्तानी फाइटर जेट मार गिराए थे। यह भारत द्वारा इस तरह की सफलताओं की पहली आधिकारिक पुष्टि है। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बेंगलुरु में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना (IAF) द्वारा किए गए हमलों पर सेटेलाइट पिक्चर दिखाकर सबूत भी दिया।

भारतीय वायुसेना प्रमुख के इस खुलासे के बाद पाकिस्‍तान की बौखलाहट बढ़ गई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को कहा कि इस ऑपरेशन में उनके किसी भी सैन्य विमान को न तो गिराया गया और न ही नष्ट किया गया।

यह बयान भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की टिप्पणी के कुछ घंटों बाद आया है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर में

पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ, जिसमें उसके पांच लड़ाकू विमान और एक बड़ा विमान मार गिराया गया था।

बता दें एयर चीफ मार्शल सिंह ने विस्तार से बताया, "हमें कम से कम एक AWC हैंगर और मरम्मत में लगे कुछ F-16 विमानों की जानकारी मिली है। हमारे पास पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान (जो या तो विमान था या अहउ) के मार गिराए जाने की पुष्टि है, जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया था।" उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान के कई UAVs, ड्रोन और कुछ मिसाइलों को भी मार गिराया गया, जिनके अवशेष भारतीय सीमा में गिरे थे।

क्या बोला पाकिस्तान?

इसके जवाब में, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, "पाकिस्तान का एक भी विमान भारतीय हमले में न तो मारा गया और न ही नष्ट हुआ।" उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने ऐसे दावे तीन महीने तक नहीं किए थे, जबकि पाकिस्तान ने तुरंत अंतरराष्ट्रीय मीडिया को स्थिति से अवगत कराया था।

पाकिस्तान ने और क्या बोला झूठ

ख्वाजा आसिफ ने भारत के दावों को "अविश्वसनीय और गलत समय पर किया गया" बताया। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रेखा (LoC) पर पाकिस्तान को नहीं, बल्कि भारत को अपेक्षाकृत अधिक नुकसान पहुंचा है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर दुनिया को सच्चाई जाननी है, तो दोनों देश अपने विमान बेड़े की स्वतंत्र जांच के लिए खोल दें। आसिफ ने कहा, "इससे सच्चाई सामने आ जाएगी। लेकिन मुझे लगता है कि भारत ऐसा करेगा नहीं, क्योंकि इससे उसकी असलियत सामने आ जाएगी और पोल खुल जाएगी।"

मूसलाधार बारिश ने रोकी दिल्ली की रफ्तारः 134 फ्लाइट्स लेट, ट्रैफिक से लोग परेशान, रेड अलर्ट जारी

(जीएनएस)।

दिल्ली और आसपास के इलाकों में रात से लगातार हो रही बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। कई इलाकों में पानी भर गया, सड़कें जाम हो गईं और आसमान से लेकर जमीनी सफर तक में देरी का सिलसिला जारी रहा। आईएमडी ने हालात को देखते हुए राजधानी के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। भारी बारिश के कारण 134 से ज्यादा फ्लाइट अपने निर्धारित समय से लेट हैं।

रात से रुक-रुककर हो रही बारिश ने राजधानी में यातायात और उड़ान संचालन को बाधित कर दिया। पंचकुइयां मार्ग, मथुरा रोड और कनॉट प्लेस सहित राजधानी के कई इलाकों में जलभराव की जानकारी मिली है।

दिल्ली हवाई अड्डे का अपडेट

दिल्ली हवाई अड्डे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि, भारतीय मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, दिल्ली में खराब मौसम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ान

संचालन फिलहाल सामान्य हैं। हवाई अड्डे की ऑन-ग्राउंड टीमें सभी स्टेकहोल्डर के साथ मिलकर यात्रियों की यात्रा को परेशानी मुक्त बनाने के लिए काम कर रही हैं। ताजा फ्लाइट जानकारी के लिए यात्रियों को अपनी-अपनी एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

खराब मौसम के कारण 134 उड़ानें देरी से चलीं

दिल्ली एयरपोर्ट पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिसकी वजह से उड़ानों के संचालन पर असर पड़ा है। फ्लाइट इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम (FIDS) के अनुसार, करीब 134 उड़ानें-जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह की आने और जाने वाली फ्लाइटें शामिल हैं- जोकि देरी से चल रही हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइंस से उड़ान की ताजा स्थिति जरूर जांच लें, क्योंकि परिचालन प्रभावित है और आगे भी देरी की संभावना बनी हुई है।

दिल्ली में रात से ही बारिश लगातार जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने शनिवार को गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में पवित्र रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया तथा महिला विधायकों सहित राज्य के कोने-कोने से आई बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर उन्हें दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया

अहमदाबाद की साधना विनय मंदिर शाला के विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन की झाँकी कराने वाली 100 फीट लंबी राखी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की

गांधीनगर, 09 अगस्त : भाई-बहन के अपार स्नेह तथा अटूट प्रेम की भावना की अभिव्यक्ति के पवित्र उत्सव रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को समाज के विभिन्न वर्गों की बहनों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को रक्षासूत्र राखी प्रदान की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया, महिला विधायकों तथा महिला पुलिस

कर्मचारियों सहित राज्य के कोने-कोने से आई बहनों ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधकर उन्हें दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया तथा जनता के कल्याणकारी कार्यों के लिए सदैव कर्तव्यरत रहने की शुभकामनाएँ दीं।

इस रक्षाबंधन उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र की साधना विनय मंदिर शाला के विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन की झाँकी कराने के उद्देश्य से तैयार की गई 100 फीट लंबी राखी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की।

इस अवसर पर गांधीनगर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, गांधीनगर भाजपा महिला मोर्चे की टीम की सदस्यों, ब्रह्माकुमारी बहनों तथा अन्य संस्थाओं की बहनों, विभिन्न स्कूलों की छात्राओं, प्रज्ञाचक्षु बहनों, दिव्यांग बहनों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को रक्षासूत्र बांध कर यह पावन पर्व मनाया।

फारुख अब्दुल्ला अब किस बात पर हुए खफा? अंग्रेंजो का भी किया जिक्र

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने "लायन ऑफ नौशेरा" नामक पुस्तक के

विमोचन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, "अगर मुसलमान का खून बहता है, तो कोई परवाह नहीं करता, लेकिन अगर हिंदू का खून बहे, तो पूरा देश खड़ा हो जाता है। अब्दुल्ला ने विभाजन के समय की स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना को लगता था कि कश्मीर मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और भारत के बजाय पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। किताब के उद्घाटन के मौके पर फारुख अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी की।

सम्पादकीय

नई विश्व व्यवस्था की आहट

अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयात कर में बढ़ोत्तरी के बाद के परिणामों को लेकर हो रही प्रातिव्रिया दिन प्रातिदिन तीव्र होती जा रही है। एक तरफ अमेरिकी राजनेताओं ने जहां ट्रंप के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है कि भारत से बड़ी मुश्किल से संबंध पटरी पर आए थे किन्तु अब एकतरफा कार्रवाई के कारण नई दिल्ली को मजबूरी में अमेरिका से संबंधों पर पुनर्विचार करने पर विवश होना पड़ रहा है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति माइक पेंस ने तो कहा है कि भारत पर 50 प्रातिशत का आयात कर लगाकर ट्रंप ने अमेरिकी वंपनियों और उपभोक्ताओं दोनों को तबाह करने का आत्मघाती कदम उठा लिया। अमेरिका के पूर्व मंत्री और मौजूदा सांसद प्राधानमंत्री को सलाह दे रहे हैं कि उन्हें ट्रंप की इस हरकत से घबराकर कोई पैसला नहीं लेना चाहिए। यही नहीं मजे की बात तो यह है जिस अधिकार यानि आईईईपीए अर्थात इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट के तहत राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रीय हितों की बलि चढ़ाकर अपने निजी हित और महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए मित्र राष्ट्रों के खिलाफ ही आयात कर बढ़ाते जा रहे हैं उसके दुरुपयोग को रोकने के लिए अमेरिकी अदालत में अपील कर दी गई है और पैसला इसी सप्ताह आने वाला है। अदालत के पैसले के संभावित प्रातिवूल होने की स्थिति पर बोलते हुए ट्रंप ने अपनी बौखलाहट में यहां तक कह दिया कि यदि उनके टैरिफ अधिकार आईईपीएम के खिलाफ पैसला आया तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक क्षति हो सकती है। किन्तु वास्तविकता यह है कि जो अमेरिकी राजनेता राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दे रहे हैं और भारत को ट्रंप के सामने न झुकने की सलाह दे रहे हैं, उनके लिए न भारत प्रिय हैं और न ही वे ट्रंप के दुश्मन हैं बल्कि उनकी चिन्ता मात्र यह है कि बड़ी मुश्किल से भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बनी थी किन्तु अपनी सनक के वशीभूत ट्रंप एक बार फिर भारत को अमेरिका से दूर धकेल रहे हैं। इन राजनेताओं को अपने अमेरिका की दूरगामी स्थायी हितों की चिन्ता सता रही है।

दरअसल भारत अब ब्रिक्स देशों से मिलकर अमेरिका के डालर में व्यापार का विकल्प तैयार करने वाला है। ब्राजील पर भी ट्रंप ने 50 प्रातिशत का ही टैरिफ लगाया है किन्तु सबसे ज्यादा तो अमेरिका को इस बात का भय है कि रिक यानि रूस, भारत और चीन मिलकर यदि अमेरिका को चुनौती देंगे तो स्थिति पूरी तरह पलट जाएगी। इन तीन देशों के मिलकर व्यापार करने से विश्व के 23 प्रातिशत व्यापार पर कब्जा कर लेंगे जबकि अमेरिका मात्र 9 प्रातिशत पर सिमट जाएगा। इन तीन देशों के पास 40 प्रातिशत विदेशी मुद्रा होगी जबकि अमेरिका के पास मात्र 12 प्रातिशत। जहां तक ब्रिक्स देशों के सामने अमेरिका की स्थिति का सवाल है तो 42 प्रातिशत के सामने अमेरिका मात्र 4 प्रातिशत है।

असल में ट्रंप को लगा कि वह जैसे ही भारत को 50 प्रातिशत टैरिफ की धौंस दिखाएंगे तो वह डरकर रूस से तेल लेना बंद कर देगा। भारत ने ट्रंप को ठेंगा दिखाते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी। अब न तो रूस से व्यापार कम होगा और न ही अमेरिकी शर्तो पर अपने उन क्षेत्रों में प्रावेश पर अमेरिकी कंपनियों को घुसने देगा जिसे वह संरक्षित क्षेत्र मानता है।

अभी तक अमेरिकी भूराजनीतिक हित यही था कि वह भारत के माध्यम से चीन को नियंत्रित करेगा लेकिन अब जब भारत खुद ही अमेरिकी नीतियों से तंग आकर चीन के नजदीक आने को विवश हो गया तो इससे बड़ा अमेरिकी वूटनीति को और क्या झटका हो सकता है। अभी ब्रिक्स और रिक का इतना विस्तार होगा कि अमेरिका के लिए ही मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। इसी संभावित स्थिति का आंकलन करके ही भारत स्थित चीन के राजदूत ने बड़ी दिलचस्प टिप्पणी की कि "बदमाश इंच भर बढ़ जाने के बाद मील भर बढ़ना चाहता है।" चीन की यह टिप्पणी तब आई है जब चीन ने एससीओ में प्राधानमंत्री मोदी के जाने का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि रिक अमेरिका को उसकी औकात दिखाने का सफल प्रायास करेगा।

प्रधानमंत्री जी की आयुष के प्रति प्रतिबद्धता

(जीएनएस)।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान प्रतिदिन हजार से अधिक असाध्य रोगियों का निशुल्क इलाज करता है। यह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भारत की प्राचीन संस्वृति और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास व संवर्धन के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

वर्ष 2019-20 की कोरोना आपदा ने जहां कई घरों में अंधेरा कर दिया वहीं मेरे जीवन में अंधेरा ला दिया,डायबिटीज के कारण मेरे पैर में गैंगरिन हो गया और साथ साथ मुझे दिल का दौरा पड़ गया, दिल्ली के मैक्स अस्पताल में पेस मेकर लगाकर हार्ट की बीमारी पर तो काबू पा लिया गया, पर गैंगरिन के लिए पैर के पंजे तक काटने की सलाह दी गई पर मेरे परिवार ने एक आयुव्रेदिक चिकित्सक से संपर्व किया और राजीव पुंडीर नामक इस चिकित्सक ने झूठा भरोसा दिला दिया कि यह ठीक कर दूंगा, उसने डेढ़ माह तक इलाज किया लाखों रुपए ले लिए और झूठे दिलासा देता रहा कि यह ठीक हो रहा है पर अंततोगत्वा मुझे घुटने से नीचे अपना पैर कटवाना पड़ा और वृत्रिम पैर लगवा कर अपनी नॉर्मल जीवनी जीने लगा।

पर डा पुंडीर की इस धोखाधड़ी से भारत की हजारों वर्ष पुरानी आयुव्रेदिक चिकित्सा पद्धति से विश्वास उठ गया।

इस बीच मुझे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय इंद्रेश वुमार जी के जन्म दिवस के अवसर में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया और वहां पर मेरी मुलाकात अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान में कार्यरत प्रोपेसर डॉ संतोष भट्टेड से हुई और उनके विषय में श्री इंद्रेश वुमार जी से पता चला कि वे पंचकर्म विभाग में विशेषज्ञ हैं और जितने ही अच्छे चिकित्सक है उतने ही अच्छे इंसान हैं, इनसे बात कर के ही मरीज 25द्द ठीक हो जाता है। यद्यापि मेरे पुराने अनुभव के कारण मेरा आयुव्रेदिक चिकित्सा से विश्वास उठ गया था पर डा भट्टेड के आमंत्रण को मना नहीं कर पाया। उनके यहां जाने पर उन्होंने मेरी पूरी कहानी सुनी और कहा कि अब जो होना था हो गया पर अपने इलाज से आपकी एलोपैथिक चिकित्सा पर निर्भरता कम हो जाएगी जो सत्य साबित हुआ। उसके बाद उन्होंने मुझे बताया कि इस संस्थान में कौन कौन से साध्य रोगों का आयुव्रेदिक पद्धति से उपचार हो रहा है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सौजन्य से चल रहे इस स्वायत्त संस्थान में प्रतिदिन हजारी मरीजों को परामर्श, परीक्षण, और निःशुल्क दवाइयां मिलते है। वहां हर रोज सुबह हजारों की संख्या में गरीब लाइन में लगकर रजिस्ट्रेशन कराते और योग्य से योग्य चिकित्सकों को दिखाते और निःशुल्क दवाइयां ले जाते हैं। जहां एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में बवासीर, फिशर, गैंगरिन आदि का एक ही विकल्प ऑपरेशन होता है वहीं इन रोगों से जूझ रहे कई रोगियों के मेरे द्वारा डॉ संतोष भट्टेड को रेफर किया गए लोगो को सिर्प आयुव्रेदिक चिकित्सा से थिक होते देखा है। वहां के पंचकर्म विभाग में डा संतोष भट्टड़ कि देख रेख में एक 85 वषाय रोगी जो वृद्धावस्था संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे और चलने की स्थिति में नहीं थे उन्हें वुछ सप्ताह के ईलाज से स्वास्थ होकर अपने पैरों पर अपने घर जाती देखा।

वर्ष 2016 में स्थापित अखिलेश भारतीय आयुव्रेद संस्थान पूरी तरह से आयुव्रेद के क्षेत्र में इलाज और अनुसंधान के प्रयोजनार्थ सर्मपित है। अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान को आयुव्रेदिक तृतीयक स्वास्थ्य देख भाल करने की परिकल्पना के साथ स्थापित और विकसित किया गया था। आयुव्रेद उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता के विषय में वैज्ञानिक सूचना की कामी को दूर करने के उद्देश्य से गुणवत्ता अनुसंधान को सुगम बनाने के लिए अन्य चिकित्सा पद्धति से प्रतिस्पधा बनाएं रखने के लिए बेंच मार्व स्थपित करना के लिए अखिलेश भारतीय आयुव्रेद संस्थान पूरी तरह से कार्यरत है। इसके स्थपित करती समय यह योजना बनाई गई समकालिक विज्ञान और संसाधनों के साथ पारस्परिक सूझ बूझ के समायोजन से यहां पर नवोचित सुविधाये होनी चाहिए।

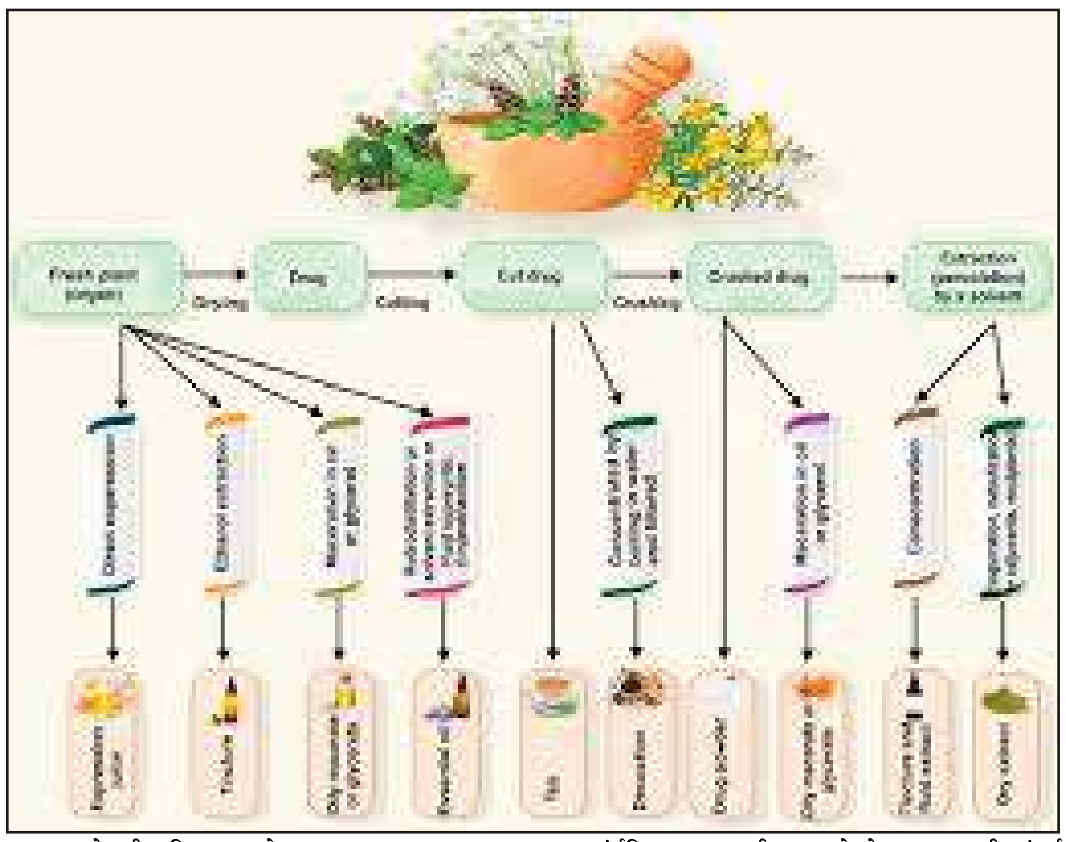

वर्तमान समय में यहां पर 200 बेड वाला एक रेफरल अस्पताल है। संस्थान में पंचकर्म की सुविधाओं के साथ साथ 8 अंर्तविषयक प्रयोगशालाओं के साथ 127 क्लीनिक काम कर रहे हैं, वर्ष 2016 में शुरू इस संस्थान में रोज रोज ओ पी डी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। वर्तमान में औसतन आधार पर प्रतिदिन 1500 रोगियो के नाम रजिस्ट्रेशन में दर्ज किए जाते हैं। आयुव्रेद औषधि के गुणवत्ता मानक की प्रोन्नति और उपचार के प्रति झुकाव के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी है।

वर्ष 2014 में आयुष मंत्रालय के निर्माण के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय चिकित्सा पढ़ती की व्यापक क्षमताओं को स्वीकार करते हुए इसके विकाश के लिए एक व्यापक रूप रेखा की परिकल्पना की। इस क्षेत्र की प्रगति की व्यापक समीक्षा करने के पात इसकी संपूर्ण क्षमता का दोहन करने हेतु रण नीतिक उपायों की आवश्यकताओं पर जोर दिया।

उन्होंने इस पद्धति के विभिन्न पहलों को व्यवस्थित करके संसाधनों का अनुवूलन करके और आयुष की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने हेतु एक दूर दशा मार्ग पर ध्यान वेंद्रित करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री जी ने नीतिगत समर्थन, अनुसंधान एवं नवाचार के मध्यम से आयुष क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आयुष क्षेत्र तेज़ी से भारत की स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक प्रेरक शत्ति के रूप में उभरा है।

उसने शिक्षा अनुसंधान, सार्वजनिक स्वास्थ्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग व्यापार और वैश्वीकरण प्रसार के मामले में महत्वपूर्ण सफलताएं अर्जित की है। आयुष क्षेत्र ने आर्थिक विकास में बड़ी तेजी से प्रगति की है। इसमें मैन्यूपेक्चरिग बाजार का आकार वर्ष 2014 में 2.85 बिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 में 23 बिलियन डॉलर हो गया है। भारत में साक्ष्य आधारित पारम्परिक चिकित्सा में खुद को वैश्विक स्तर पर अग्रिम देश के रूप में स्थापित किया है और आयुष अनुसंधान पोर्टल अब 43000से अधिक अध्ययन को होस्ट कर रहा है। आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से महत्वपूर्ण सफलताएं अर्जित की हैं। जहां पूरे विश्व में आधुनिक चिकित्सा के नाम पर लूट मची हुई है, अच्छे एलोपैथिक डॉक्टरों की फीस दो से तीन हजार रु हो गई है जो आम आदमी के लिए संभव नहीं है।

वहीं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान प्रतिदिन हजार से अधिक असाध्य रोगियों का निशुल्क इलाज करता है। यह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भारत की प्राचीन संस्वृति और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास व संवर्धन के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम है। (जीएनएस)। (लेखक भारत सरकार के पूर्व उप सचिव हैं।)

प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक यूपी ने लगाई लंबी छलांग, केजीएमयू को मिली बड़ी उपलब्धि

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हो चुकी है। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, मेडिकल और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक राज्य सरकार ने योजनाबद्ध सुधार, तकनीकी नवाचार और सरकारी-निजी साझेदारी के माध्यम से शिक्षा ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार जैसी पहलों ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया, जबकि उच्च शिक्षा में नए प्रयासों के साथ-साथ पुराने संस्थानों को भी बेहतर बनाया जा रहा है। केजीएमयू को ठअअउ अ++ मिलना इसी का उदाहरण है जिसने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में मेडिकल, नॉलेज सिटी और हाइटेक एजुकेशन के विस्तार से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक किए जा रहे प्रयासों का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारोन्मुख कौशल और वैश्विक मानकों के अनुरूप अवसर प्राप्त कर सके।

हायर एजुकेशन में निजी शिक्षण संस्थानों के साथ पुराने संस्थानों को प्रोत्साहन

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने ठअअउ के नवीनतम मूल्यांकन में अ++ ग्रेड प्राप्त कर लिया है, जिसमें उऋ्रद्धअ 3.67 अंक प्राप्त हुआ है। ठअअउ की टीम ने 31 जुलाई से 2 अगस्त तक केजीएमयू का निरीक्षण किया और विभिन्न क्राइटेरिया में उच्च स्कोर दिए। प्रदेश सरकार के प्रयासों से मेडिकल शिक्षा में पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए गए, जिसका सीधा असर केजीएमयू जैसे संस्थानों के प्रदर्शन पर पड़ा है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य ह कि 2025-26 तक राज्य के 25% कॉलेजों का ठअअउ मूल्यांकन हो जाए। इसमें लगभग 1,000 कॉलेज पहले ही शॉर्टलिस्ट हुए हैं। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र को शामिल करने की छूट के तहत कई विश्वविद्यालयों को प्रदेश में प्रवेश की मान्यता मिली है। इसी कड़ी में उन्नाव में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के रूप में पहली एआई आगुमेंटेड यूनिवर्सिटी का शुभारंभ किया गया है। इन प्रयासों से उच्च शिक्षा में निजी भागीदारी को बल मिला है। हाल ही में, मुख्यमंत्री की अगुवाई में योगी कैबिनेट ने"भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना" को मंजूरी दी है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

मेडिकल और हाईटेक शिक्षा में विस्तार

उत्तर प्रदेश ने पिछले आठ वर्षों में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तन लाया है। अब तक 80 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही गोरखपुर में नए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना भी हुई। दूसरी तरफ, हाईटेक शिक्षा को लेकर भी अनूठे प्रयास किए गए हैं, जिसके तहत कानपुर, गोरखपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में नॉलेज सिटी के विकास की योजना है। इनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना और उच्च शिक्षा व शोध में वैश्विक मानक स्थापित करना है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कारगर साबित हो रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में हरसंभव सहयोग देने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना लगातार साकार कर रही है। प्रदेश के हजारों युवा इस योजना के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं। ग्रामीण और गरीब तबकों के प्रतिभावान युवाओं के लिए यह योजना उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरी है। योगी सरकार द्वारा इस योजना के माध्यम से छात्रों को निःशुल्क कोचिंग, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे यूपीएससी, पीसीएस, जेईई, नीट जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। योगी सरकार ने इस योजना को राज्य के 75 जनपदों में सफलतापूर्वक संचालित कर रही है, जहां करीब 166 केंद्र संचालित हो रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है। प्रदेश सरकार 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करवा रही है, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा गया है, ताकि उद्योगों और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में 400 के करीब राजकीय और 3000 निजी आईटीआई संचालित हैं, जहां न्यूनतम शुल्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सरकार निजी आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप और अन्य प्रोत्साहन भी दे रही है। इसके अलावा अब प्रदेश की 120 से ज्यादा पॉलीटेक्निक को भी टाटा टेक्नोलॉजी की मदद से अपग्रेड किए जाने की योजना है।

प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में हुआ बड़ा सुधार

ऑपरेशन कायाकल्प ने 2017 से अब तक सरकार स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया है. स्कूलों में मूल सुविधाएं 36% से बढ़कर 96% हो चुकी हैं, 1.32 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी बनी है, और 15.37 करोड़ मुफ्त पाठ्यपुस्तकें वितरित की गई हैं। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत, 2,441 माध्यमिक सरकारी स्कूलों को 35 इंफ्रास्ट्रक्चर मानकों पर अपग्रेड किया गया, जिसमें स्मार्ट क्लास, लैब, पुस्तकालय, कामकाजी वातावरण शामिल है। इससे सरकारी सेकेंडरी स्कूलों में नामांकन में 23% की वृद्धि हुई और प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति में भी सुधार हुआ है। इससे छात्रों को स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, खेलकूद और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जबकि बेटियों के लिए भी आवासीय शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के गरीब और वंचित तबके के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उनके सवार्गीण विकास के लिए प्रदेश सरकार ने प्रदेश के चिन्हित माध्यमिक विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की गई है। कई सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी आधारित सिलेबस अपनाया गया है, ताकि छात्रों को एकरूप और उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिले।

बारिश के मौसम में खान-पान और जीवनशैली का रखें ध्यान!

हमारे देश में जून से सितंबर भारी बारिश होती है। हाल फिलहाल अगस्त का महीना चल रहा है और देश में खूब बारिश हो रही है। बारिश में हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्यों कि बारिश के मौसम में कई तरह की बीमारियां जैसे कि डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, पीलिया, चिकनगुनिया, वायरल बुखार, दस्त, और त्वचा सांमण पैलने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून के मौसम में वातावरण में नमी हमारे शरीर को कई सांमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। कहना गलत नहीं होगा कि बारिश का मौसम अपने साथ सुवून, हरियाली और ताजगी तो लाता है, लेकिन साथ ही शरीर के लिए वुछ चुनौतियां भी खड़ी करता है।

वातावरण में नमी, तापमान में गिरावट और भोजन के पचने की क्षमता में कमी - ये सभी बदलाव हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बहुत प्रभावित करते हैं।

नमी, गंदगी और बदलता तापमान शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है, जिससे सदा-जुकाम, वायरल फीवर, स्टमक (पेट) इंपेक्शन, पूड पॉइजनिग और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मौसम के अनुसार खानपान का ध्यान रखना

बहुत ही आवश्यक है। दूसरे शब्दों में कहें तो बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बरतना बहुत ज़रूरी है।

मसलन, हमें यह चाहिए कि इस मौसम में हम स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

हमें यह चाहिए कि हम बारिश के मौसम में अपने हाथों को बार-बार धोएं, खासकर खाना खाने से पहले और बाद में। बारिश में पानी को हमेशा उबालकर पीना चाहिए, ताकि हम टाइफाइड, पीलिया, डायरिया जैसे रोगों से स्वयं व अपने परिवार का बचाव कर सवें। इस मौसम में हमें अपने घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए तथा पुल स्लीव्स के कपड़े पहनने चाहिए, और मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए। बारिश के मौसम में कीट-पतंगों, सांप, मच्छरों और अन्य जीव जंतुओं से बचाव भी बहुत ही जरूरी है। त्वचा की देखभाल भी इस मौसम में विशेष जरूरी है, इसके लिए हम अपनी त्वचा को सूखा और साफ रखें, और पंगल सांमण से बचने के लिए एंटीपंगल पाउडर का उपयोग कर सकते हैं। आज हमारी जीवनशैली बहुत बदल चुकी है।

पाठकों को बताता चलूं कि सावन और भाद्रपद(बारिश के महीनों में) के महीनों में, प्राचीन काल से ही खान-पान में वुछ विशेष परहेज बरते जाते रहे हैं। इन महीनों में, विशेष रूप से बारिश के मौसम में, पाचन ग्यिा बहुत धीमी हो जाती है, और जैसा कि ऊपर भी जानकारी दे चुका हूं कि वातावरण में भी कीटाणुओं का प्रकोप भी बढ़ जाता है। इसलिए, इन महीनों में वुछ विशेष चीजों से जैसे कि मांस, मछली, और अंडा(मांसाहारी भोजन), प्याज, लहसुन, शहद, हरी पत्तेदार सब्जियां , बैंगन, मूली तथा दही आदि से परहेज करना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य ठीक रहे और सांमण से बचा जा सके। सावन और भाद्रपद के महीनों में हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे कि मूंग, मसूर, और अन्य दालें, चपाती आदि लेना चाहिए। पुराने चावल भी खाये जा सकते हैं।

जलती चिता के सामने ही साड़ी में नाचते हुए वीडियो बनाने लगी, सोशल मीडिया यूजर्स ने लगा दी क्लास

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर कभी-कभी कुछ ऐसी चीजें वायरल हो जाती हैं जो वाकई में अजीब होती है। अब एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ है जिसकी काफी आलोचना हो रही है। दरअसल एक कंटेंट क्रिएटर ने अपना वीडियो शेयर किया है जिसमें वह साड़ी पहनकर एक जलती हुई चिता के सामने वीडियो बना रही है। इस पर यूजर्स ने काफी कमेंट किए हैं। कुछ लोगों ने कहा कि लोग वायरल होने के लिए आज किसी भी हद से गुजर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि यह किसी की मौत का मजाक उड़ाना है।

दरअसल वीडियो में दिख रहा है कि लड़की ने जहां वीडियो बनाया है उसके ठीक पीछे एक चिता जल रही

है। इससे ऐसा लग रहा है कि यह शायद किसी शहर का स्थानीय श्मशान घाट है। ऐसी जगह पर वीडियो बनाने के लिए कुछ लोग काफी आलोचना कर रहे हैं।

वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है कि महिला कोई कंटेंट क्रिएटर है और सोशल मीडिया के लिए रील्स बना रही है। इसी दौरान वह चिता के सामने ही साड़ी में झूमती-नाचती दिख रही है। वह लगातार कैमरे के सामने पोज देती हुई और ठुमके लगाती दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि इसे रील बनाने के लिए ही श्मशान घाट से शूट किया गया है।

वीडियो की आलोचना करते हुए एक यूजर ने लिखा कि रील बनाने की लोगों को ऐसी सनक सवार हो गई है कि न जगह देख रहे हैं और न ही मौका। एक यूजर ने लिखा कि यह बहुत असंवेदनशील व्यवहार है। कम से कम जगह और माहौल का तो ख्याल रखना चाहिए। एक यूजर ने लिखा कि कलियुग में लगाता है कि 2 पैरों वाले जानवरों को काफी देखने को मिलेगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

ऐतिहासिक उपलब्धि: कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची

कश्मीर घाटी में मालगाड़ी का आगमन लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का सूचक

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2025

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

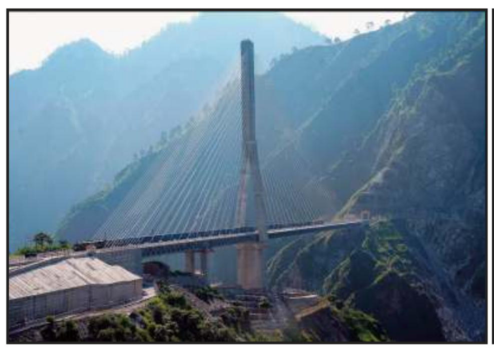

उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दशार्ता है।

इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त, 2025 को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेंट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (GACL) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक WAG-9 लोकोमोटिव (लोको संख्या 32177, TKD, ट्रिप 08/09) द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दशार्ता है।

इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा वलसाड एवं अजमेर के बीच चलाई जाएगी रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन रक्षाबंधन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वलसाड एवं अजमेर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक और स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09612/09611 वलसाड - अजमेर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09612 वलसाड - अजमेर स्पेशल मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 को वलसाड से 13:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:55 बजे अजमेर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09611 अजमेर - वलसाड स्पेशल सोमवार, 11 अगस्त, 2025 को 13:00 बजे अजमेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:30 बजे वलसाड पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, दुगार्पुरा, जयपुर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09612 की बुकिंग 10 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

10 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में शहरवासियों को करना पड़ेगा पावर कट का सामना, कहां-कहां रहेगा असर?

(जीएनएस)।

दिल्ली और एनसीआर के लोगों के लिए बड़ी खबर है। 10 अगस्त 2025 को बिजली विभाग द्वारा आवश्यक मेंटेनेंस और रिपेयरिंग कार्यों के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान, निर्धारित समय के लिए घरों, ऑफिसों, दुकानों, स्कूलों और अस्पतालों में बिजली गुल रहेगी।

यह शेड्यूल्ड पावर कट बिजली सप्लाई सिस्टम को और बेहतर व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। टाटा पावर-DDL और अन्य बिजली वितरण कंपनियां इन दो दिनों में ट्रांसफॉर्मर, बिजली लाइनों और अन्य आवश्यक उपकरणों की जांच और मरम्मत करेंगी, ताकि भविष्य में बिजली से जुड़ी समस्याओं को कम किया जा सके।

हालांकि यह कटौती अस्थायी होगी, लेकिन इससे आम लोगों के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। बिजली विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय से पहले अपने जरूरी कार्य पूरे कर लें और बैकअप बिजली व्यवस्था का इंतजाम कर लें।.

दिल्ली-एनसीआर में 10 अगस्त 2025 को मेंटेनेंस कार्य के चलते कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, हैबतपुर के लगभग 6% इलाके में दो अलग-अलग समय स्लॉट में पावर कट किया जाएगा।

कहां-कहां और कब रहेगी बिजली कटौती:

स्पोर्ट्र्स सिटी एरिया और टेकजोन-04: सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

हैबतपुर (6% क्षेत्र): दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक

लुक्सर (6% आबादी क्षेत्र): दोपहर 12:00 बजे से 12:45 बजे तक

बिजली विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इस निर्धारित कटौती के दौरान आवश्यक तैयारियां पहले से कर लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। इस दौरान क्षेत्रीय पंपिंग स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी असर पड़ सकता है। पॉवर कट होने पर जनता क्या करें?

दिल्ली में निर्धारित मेंटेनेंस कार्य के चलते कई इलाकों में तय समय पर बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे पॉवर कट से पहले अपने आवश्यक कार्य पूरे कर लें और बैकअप बिजली व्यवस्था का इंतजाम कर लें। विशेष रूप से स्कूल, ऑफिस और अस्पताल प्रबंधन को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, ताकि बिजली कटौती के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

विभाग ने भरोसा दिलाया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूरे करने की पूरी कोशिश की जाएगी। दिल्ली पावर कट से जुड़ी अधिक जानकारी और अपने क्षेत्र में बिजली समस्या की शिकायत दर्ज कराने के लिए उपभोक्ता विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

नीतीश सरकार आज ट्रांसफर करेगी बढ़ी हुई पेंशन की दूसरी किस्त

(जीएनएस)।

बहार की राजनीति में हलचल हो या गवर्नमेंट का कोई बड़ा फैसला। विकास कार्यों की बात हो या जनता से जुड़े अहम कार्यक्रम- बिहार टुडे में आपको सबसे पहले मिलेगा राज्य से जुड़ा हर बड़ा अपडेट। आइए जानते हैं आज दस अगस्त को क्या-क्या होने वाला है।

महिलाओं को आज भी बस में नहीं देना होगा किराया

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने रक्षाबंधन पर पटना और मुजफ्फरपुर के सभी रूटों पर 9 अगस्त को महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा का ऐलान किया है। साथ ही, पटना में चलने वाली पिंक बसों में भी महिलाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। महिलाएं 10 अगस्त तक निगम की बसों में फ्री यात्रा कर सकेंगी। इस निःशुल्क सेवा का लाभ सभी आयुवर्ग की महिलाएं ले सकेंगी।

नीतीश सरकार आज ट्रांसफर करेगी बढ़ी हुई पेंशन की दूसरी किस्त

बिहार में आज नीतीश सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि उह्ळ के जरिए ट्रांसफर करेगी। 1 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों के अकाउंट में 10 अगस्त को 1100-1100 रुपये आएंगे। पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति माह किए जाने के बाद लाभार्थियों को मिलने वाली यह दूसरी किस्त होगी।

इस बार लगभग 1,12,18,845 लाभुकों के खाते में कुल मिलाकर करीब 1247.34 करोड़ रुपये जमा किए जाएंगे। ये पेंशन राशि विधवा महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को दी जा रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

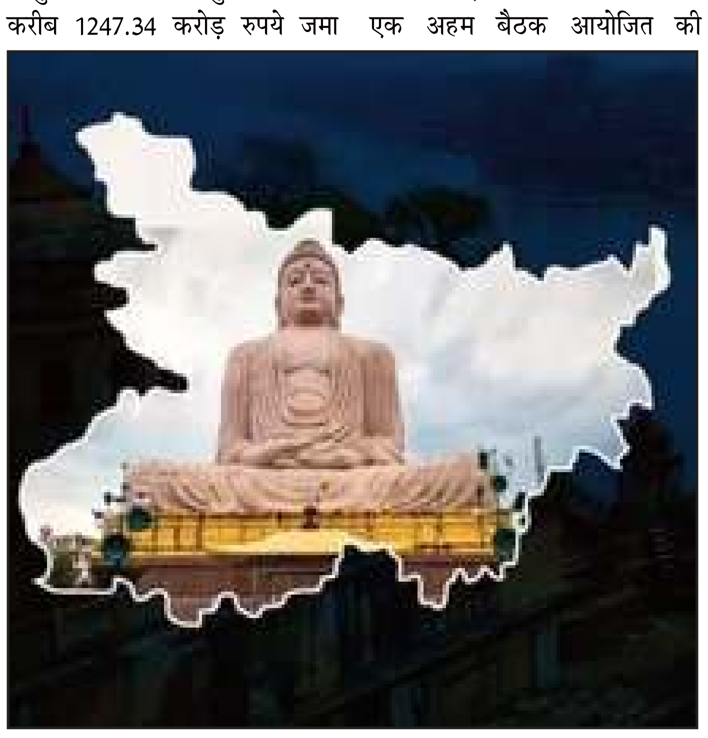

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर पटना में महत्वपूर्ण बैठक

नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम, बिहार के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन को मजबूती देने के लिए 10 अगस्त को पटना में एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रांतीय कमेटी, जिला कमेटी और सभी संबद्ध संघों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी रैली की रणनीति तय करना, संगठन को मजबूत बनाना और जनजागरण अभियान को तेज करना है।

राजगीर में पहली बार एशिया रग्बी अंडर-20 चैंपियनशिप

बिहार में पहली बार 9 और 10 अगस्त, 2025 को 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन हो रहा है। यह भव्य प्रतियोगिता राज्य खेल अकादमी-सह-बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के परिसर में आयोजित किया जा रहा है। इसमें 9 देशों की 16 टीमें भाग ले रही है। भारत के अलावा चीन, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल की टीमें भी इस टूर्नामेंट में मैदान में हैं।

बिहार में आज कैसा रहेगा मौसम का हाल

बिहार में 10 अगस्त 2025 को मौसम में क्षेत्रीय विविधता देखने को मिलेगी। क्टऊ के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रमुख शहरों जैसे पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मुंगेर, पूर्णिया और जमुई में तापमान में थोड़ी गिरावट के साथ बारिश होने की संभावना है

मुंबई लोकल में बिना टिकट यात्रियों की अब खैर नहीं, रेलवे करने जा रहा ये उपाय

मुंबई रेलवे ने टिकटों की खरीद में धांधली रोकने के लिए अब स्टेशनों पर डायनामिक क्यूआर कोड लागू करेगा। ताकि यात्री अब डाउनलोड किए गए कोड का इस्तेमाल करके टिकटिंग से बच न सकें। मुंबई रेलवे का यह नया कदम टिकट प्रणाली में बढ़ते दुरुपयोग को रोकना है, जहां यात्री पहले से डाउनलोड किए गए क्यूआर कोड के माध्यम से टिकट खरीदने से बचते थे।

वर्तमान में, स्टेशनों पर चिपकाए गए स्थायी क्यूआर कोड का दुरुपयोग किया जा रहा है। यात्री इन कोडों को अपनी फोन गैलरी में सहेज लेते हैं और टीसी को देखते ही टिकट खरीदने के लिए उनका इस्तेमाल करते हैं। एक रेलवे अधिकारी ने बताया, "क्यूआर कोड और यूपीआई के माध्यम से

कैशलेस लेनदेन यात्रियों के लिए सेवाओं को सुचारू और अधिक कुशल बनाने के लिए शुरू किए गए थे। इनका उद्देश्य लेनदेन को तेज करना, प्रतीक्षा समय को कम करना और ग्राहक संतुष्टि में सुधार करना है।"

अधिकारी ने बताया, "ये क्यूआर कोड डिवाइस मुंबई सेंट्रल डिवीजन के सभी यूटीएस काउंटरों पर पहले से ही उपयोग में हैं, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों खंड शामिल हैं।" भारतीय रेलवे के यूटीएस (अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम) ऐप में एक जियोफेंसिंग प्रतिबंध है, जिसका अर्थ है कि यात्री सीधे प्लेटफॉर्म या पटरियों के पास टिकट बुक नहीं कर सकते। ऐप का उपयोग करने के लिए, यूजर्स को स्टेशन या पटरियों से कम से कम 20-25 मीटर दूर होना चाहिए, हालांकि यह दूरी भिन्न हो सकती है।

ऐप यूसर्ज के लिए टिकटिंग सुविधा प्रदान करने हेतु, रेलवे ने स्टेशन के प्रवेश द्वार पर क्यूआर कोड स्टिकर पेश किए थे।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन मिली थी आईसीसी से चेतावनी, गौतम गंभीर ने निकाली तरकीब, टीम इंडिया बचकर निकल गई

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने पांचवें दिन के पहले घंटे में जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचने का काम किया था। भारतीय टीम ने अंतिम 4 विकेटों को 35 रनों के अंदर समेटकर इंग्लैंड का धुआं निकालने का काम किया था लेकिन उस समय सामने दूसरी समस्या भी थी।

भारतीय टीम के ऊपर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में पॉइंट्स की पेनल्टी लगने वाली थी। आईसीसी के मैच रेफरी ने पहले ही यह बता दिया था। मैच शुरू होने से पहले टीम इंडिया के सामने यह चुनौती थी कि इंग्लैंड को आउट किया जाए, या पेनल्टी लगने वाले रनों को बचाया जाए।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन जब टीम इंडिया मैदान पर उतरी, तब टीम पर कळउ मैच रेफरी जेफ क्रो की सख्त चेतावनी का दबाव था। दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट में भारतीय टीम के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि क्रो ने ओवर रेट में छह ओवर की कमी के कारण चार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) पॉइंट्स काटने की चेतावनी दी थी।

हालात साफ थे, या तो भारत जल्दी इंग्लैंड को ऑलआउट करे या ओवर रेट में सुधार लाए, वरना कीमती अंक गंवाने पड़ सकते थे। हळउ की रेस में हर पॉइंट बेहद अहम होता है। अब टीम हडल में सुझाव आया कि दोनों छोर से स्पिनरों को लाकर इस मामले को निपटाया जा सकता है।

इस दौरान कोच गौतम गंभीर ने अहम प्रतिक्रिया दी। गौतम गंभीर का मानना था कि टीम को ओवर रेट की बजाय जीत पर फोकस करना चाहिए। टेस्ट के आखिरी दिन सिर्फ तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की, और उन्होंने एक घंटे से भी कम वक्त में इंग्लैंड के बाकी चार विकेट गिरा दिए। इस तरह टीम इंडिया ने गौतम गंभीर के सुझाव के बाद अपना काम किया और मैच जीतने के साथ ही पेनल्टी भी नहीं लगने दी। अगर मैच हार जाते, तो पेनल्टी लग जाती। भारत ने वहां तक मामला आने नहीं दिया।

एक घंटे तेज गेंदबाज लगे रहे

सिराज ने 5 विकेट झटकते हुए तहलका मचा दिया और इंग्लैंड को 6 रनों से हार मिली। उस एक घंटे में सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने ही गेंदबाजी की। कोई भी स्पिनर नहीं लाया गया था और यह रणनीति परफेक्ट तरीके से काम कर गई।

बिहार विधानसभा चुनाव : कौन सी हैं वो 5 पार्टियां जिनके साथ तेजप्रताप यादव ने किया है गठबंधन? क्या होगा असर

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव में अब चंद महीने ही बाकी रह गए हैं। चुनावी सरगर्मियों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे और पूर्व बिहार मंत्री तेज प्रताप यादव लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। तेज प्रताप ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पांच पार्टियों के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

ध्‍यान रहे कि हसनपुर विधानसभा सीट से विधायक तेज प्रताप यादव को आरजेडी मुखिया लालू यादवर परिवार ने "नकार" दिया है, और उन्‍हें पार्टी से निष्‍कासित कर दिया है। जिसके बाद उन्‍होंने खुद को बिहार में इस नए मोर्चे के नेता के रूप में स्थापित किया है। उनके छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं और राजद के आगामी चुनावों में प्रमुख चेहरा हैं।

ईं१ अर२ीु'८ ए'ीुइ्ल्लर 2025

तेज प्रताप यादव ने बिहार के पांच छोटे दलों से गठबंधन करने के बाद दावा किया है कि यह गठबंधन "सामाजिक न्याय, सामाजिक अधिकारों और व्यापक बदलाव" लाकर "बिहार की स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती" दे सकता है।

तेज प्रताप ने महुआ सीट से निर्दलीय उम्‍मीदवार के तौर पर लड़ेंगे चुनाव

तेज प्रताप की अपील मुख्य रूप से यादव वोटरों के एक वर्ग और मुख्यधारा की राजनीति से "भ्रमित" लोगों के बीच है। उनकी धार्मिक पहचान, मंदिर यात्राएं और खुद को "आध्यात्मिक नेता" बताने का दावा भी वोटरों के बीच गूंज पैदा करता है। आरजेडी से बाहर निकाले जाने के बाद, तेज प्रताप की लोकप्रियता अब महुआ निर्वाचन क्षेत्र में अग्निपरीक्षा से गुजरेगी, जहां से वे विधानसभा चुनावों में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

तेज प्रताप का गठबंधन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है जहां इन पांच पार्टियों का मुख्य समर्थन आधार है। इससे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विपक्षी वोटों में सेंध लग सकती है और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों में मदद मिल सकती है। हालांकि, इन पांच पार्टियों में से किसी के पास भी मजबूत जमीनी नेटवर्क, स्थापित बूथ-स्तरीय उपस्थिति या पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं हैं, और उन्हें ज्यादातर तेज प्रताप के नेतृत्व पर निर्भर रहना होगा।

कौन सी हैं वो पार्टियां जिनके साथ तेजप्रताप यादव ने किया है गठबंधन?

विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी)

तेज प्रताप के नए सहयोगियों में सबसे प्रमुख प्रदीप निषाद हैं, जो नवगठित वीवीआईपी के प्रमुख हैं। "हेलीकॉप्टर बाबा" के नाम से भी जाने जाने वाले निषाद, एक समय विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के करीबी सहयोगी थे। कथित तौर पर "पार्टी में उचित सम्मान न मिलने" के मतभेदों के कारण, उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर के मूल निवासी निषाद ने 2021 के आसपास वीआईपी छोड़ दी थी। उन्होंने इस साल वीवीआईपी का गठन किया है।

28 जून को लॉन्च हुई और बाद में "जहाज" को चुनाव चिन्ह के रूप में आवंटित किया गया, वीवीआईपी का लक्ष्य निषाद-मल्लाह समुदाय का प्रतिनिधित्व करना है, जो पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने और नदी-आधारित व्यवसायों से जुड़े हैं।

मशहूर सिंगर और एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया धमाकेदार गाना 'पगली जान दे दी का' हुआ रिलीज, रक्षा गुप्ता के साथ किया ऐसा रोमांस

(जीएनएस)।

भोजपुरी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर और एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना एक बार फिर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। उनके गानों और फिल्मों को भोजपुरिया दर्शक हमेशा खुले दिल से अपनाते हैं।

अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना

यूट्यूब पर अरविंद अकेला कल्लू के कई सुपरहिट सॉन्गस 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज बटोर चुके हैं। अब उनका लेटेस्ट ट्रैक 'पगली जान दे दी का' हाल ही में रिलीज हुआ है और फैंस इस पर अपना खूब सारा प्यार लुटा रहे हैं।

महादेव पर गाए थे कई गाने

सावन के पवित्र महीने में अरविंद अकेला ने महादेव पर आधारित कई भक्ति गीत गाए, जिन्हें शिवभक्तों ने बेहद पसंद किया। अपने करियर में उन्होंने रोमांटिक से लेकर देसी तड़के वाले गानों तक, हर अंदाज में धमाल मचाया है। इस बार उनका नया गाना 'पगली जान दे दी का' भी फैंस को

खूब पसंद आ रहा है।

नए गाने से जुड़े कलाकार और टीम

-इस गाने का टीजर प्रोड्यूसर प्रशांत निशांत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। टीजर को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था- आ गया सुपरस्टार अरविंद अकेला कल्लू और भोजपुरिया सनसनी रक्षा गुप्ता का शानदार गाना। आरवीएफ के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर।

-'पगली जान दे दी का' गाने को अरविंद अकेला कल्लू के साथ काजल राज ने अपनी आवाज दी है। वीडियो में अरविंद के साथ एक्ट्रेस रक्षा गुप्ता नजर आ रही हैं। गाने के बोल दुर्गेश भट्ट ने लिखे हैं और म्यूजिक साजन मिश्रा ने कंपोज किया है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन प्रवीन एस ने किया है जबकि सिद्धार्थ मिश्रा ने इसे प्रोड्यूस किया है।

अरविंद अकेला कल्लू की बढ़ी फैन फॉलोइंग

-अरविंद अकेला कल्लू का पिछला रिलीज ट्रैक 'तोहार कातिल बा फिगर' भी धमाल मचा चुका है। सारेगामा हमार भोजपुरी यूट्यूब चैनल पर अपलोड हुए इस गाने ने रिलीज के कुछ ही दिनों में 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया था। इसमें अरविंद का एनर्जेटिक डांस और मस्तीभरे बोल दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देता है।

-वहीं अब 'पगली जान दे दी का' गाने ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अरविंद अकेला कल्लू की लोकप्रियता और उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती जा रही है। उनके गानों का खास अंदाज ही उन्हें भोजपुरिया इंडस्ट्री में सबसे अलग पहचान दिलाता है।

महाराष्ट्र में मंत्री ने जब्त की 'रैपिडो', बेटे ने उसी से कर ली कमाई, समझिए पूरी कहानी

(जीएनएस)।

मुंबई में दहीहांडी को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल है। इस बीच एक दही हांडी स्पर्धा चर्चा का विषय बनी हुई है (नवभारत के रिपोर्ट के अनुसार)। मुंबई में एक महीने पहले जिन रैपिडो बाइक-टैक्सियों पर कार्रवाई करवाई गई थी वही कंपनी अब राज्य सरकार के मंत्री प्रताप सरनाईक के बेटे पूर्वेश सरनाईक द्वारा आयोजित प्रो-गोविंदा लीग 2025 की स्पॉन्सर बनकर सामने आई है। इस पर अब आरोप लग रहे हैं कि मंत्री पद

का दुरुपयोग हुआ है। पूरा मामला यह है कि 2 जुलाई को खुद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 'रैपिडो' की एक बाइक टैक्सी को मंत्रालय के पास पकड़ा था। यह बाइक टैक्सी उन्होंने किसी और नाम के ऐप से बुक की, और शिकायतों की पुष्टि के लिए खुद सवारी भी की। इस मामले को लेकर उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा, "मैंने खुद ये अवैध सेवा इस्तेमाल की, जबकि सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी है। ऐसी कंपनियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।" वहीं अब बाइक के स्पॉन्सर के तौर पर सामने आने के बाद बवाल बढ़ रहा है।

मुंबई एंटी-नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई; 5 तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे, भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद

(जीएनएस)।

मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (ANC) ने ड्रग्स के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 4.034 किलोग्राम मेफेड्रोन (MD) बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 10.07 करोड़ रुपए बताई जा रही है। (टाइम सुनाओ रिपोर्ट के अनुसार) पुलिस ने यह कार्रवाई चार अलग-अलग छापों में मालाड, जोगेश्वरी, दादर और नवी मुंबई इलाकों में की।

समाचार एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, इस ऑपरेशन में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी मुंबई के अलग-अलग इलाकों में मेफेड्रोन की सप्लाई कर रहे थे।

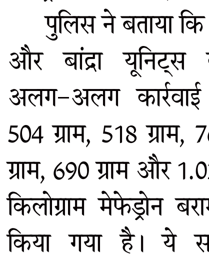

पुलिस ने बताया कि घाटकोपर, वर्ली और बांद्रा यूनिट्स की अलग-अलग कार्रवाई में 504 ग्राम, 518 ग्राम, 766 ग्राम, 690 ग्राम और 1.024 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया है। ये सभी बरामदगियां अलग-अलग मामलों में हुई हैं। अब तक इस मामले में चार ऋफ्र दर्ज की जा चुकी हैं और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज (NDPS) एक्ट के तहत आगे की जांच जारी है।

इससे पहले, मुंबई कस्टम के एयरपोर्ट कमिश्नरेट ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (CSMI) पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए का मादक पदार्थ जब्त किया। इस ऑपरेशन में कस्टम ने कुल 0.947 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) बरामद किया था।

दरअसल, बैंकॉक से मुंबई पहुंचे एक यात्री को जांच के दौरान रोका गया। उसके पास से 947 ग्राम हरे रंग की गांठों के रूप में संदिग्ध हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 94 लाख रुपए है। यह मादक पदार्थ वैक्यूम-सील प्लास्टिक पैकेट्स में पैक किया गया था और यात्री के ट्रॉली बैग में छिपाकर रखा गया था। आरोपी यात्री को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 5 और 6 अगस्त की दरमियानी रात को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 14.5 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड जब्त की थी। मुंबई कस्टम्स की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह जब्ती एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत दर्ज एक केस में की गई थी। इस दौरान एक यात्री को भी गिरफ्तार किया गया था।

मीरा रोड, वसई-विरार में रह रहे अवैध बांग्लादेशी, 12 घुसपैठियों को देश से निकाला

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की सीमा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 12 घुसपैठियों को देश से बाहर निकाल दिया गया है। (नवभारत टाइम्स रिपोर्ट के अनुसार) यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के आदेश और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे की अगुवाई में की गई। दरअसल 1 अगस्त से आयुक्तालय क्षेत्र के अलग-अलग थानों की सीमा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत काशिमीरा, तुलिंज और नालासोपारा पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले क्षेत्रों से 12 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए। 6 पुरुष, 4 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल पूछताछ में इन लोगों ने स्वीकार किया कि वे बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में रह रहे थे और उन्होंने अवैध रूप से भारत-बांग्लादेश सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया था। इनमें से कुछ ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारतीय पहचान पत्र भी हासिल कर

लिए थे। इन सभी 12 नागरिकों को 7 अगस्त को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से उनके देश बांग्लादेश भेजकर निष्कासित कर दिया गया है। निष्कासित लोगों में 6 पुरुष, 4 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। कहां रहते थे बांग्लादेशी

इससे पहले पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अवैध रूप से रहने के आरोप में पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इन बांग्लादेशी नागरिकों को कल्याण-डोंबिवली इलाके से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों में चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल थे। सभी ने बिना किसी पासपोर्ट या आवश्यक दस्तावेजों के भारत में प्रवेश किया था। ये सभी ठाणे के कल्याण और डोंबिवली इलाके में झुग्गी बस्तियों और रेलवे स्टेशन के पास रहते थे।

पिछले दो महीनों में 42,189 अपात्र बांग्लादेशियों के जन्म प्रमाणपत्र रद्द

वहीं, पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने पिछले दो महीनों में 42,189 अपात्र बांग्लादेशी नागरिकों के जन्म प्रमाणपत्र रद्द किए हैं। इनमें से 11,053 मूल जन्म प्रमाणपत्र वापस ले लिए गए हैं।

गाजियाबाद में मूसलाधार बारिश, आकाशनगर की गलियां बनी तालाब, घरों के अंदर तक पहुंचा पानी

(जीएनएस)।

गाजियाबाद आकाशनगर की कृष्णा स्वीट्स के सामने वाली गली जो मुख्यतः कई रास्तों को एकसाथ जोड़ती है उसके शुरूआत में ही भारी जलभराव हमेशा बना रहता है। स्थानीय ग्राम प्रधान डासना देहात को मामले से कई बार अवगत कराया गया है, पर इस गली को बहुत लंबे वक्त से बनवाया नहीं गया है। गाजियाबाद मसूरी क्षेत्र के आकाशनगर की तंग और जर्जर गलियों में बारिश का पानी घरों में घुस रहा है। लगभग 10 वर्ष पुराने रास्ते टूट चुके हैं। जर्जर और टूटे हुए रास्तों के कारण लोग जलभराव की समस्या से त्रस्त हैं। छोटी नालियां एक तो पहले ही कूड़ा करकट और गंदगी से अटी पड़ी हैं ऊपर से उनमें साफ सफाई नियमित अंतराल पर न होने के कारण जलभराव विकट समस्या बनी है। मुख्य रूप से आकाशनगर की कृष्णा स्वीट्स के सामने वाली गली जो

मुख्यतः कई रास्तों को एकसाथ जोड़ती है उसके शुरूआत में ही भारी जलभराव हमेशा बना रहता है। स्थानीय ग्राम प्रधान डासना देहात को मामले से कई बार अवगत कराया गया है, पर इस गली को बहुत लंबे वक्त से बनवाया नहीं गया है। रास्ते की समस्या मानसून में बेहद परेशानी पैदा कर रही है, इधर-उधर से वर्षा का पानी बहकर आ रहा है, गलियों में नाले की तरह पानी बह रहा है, जो घरों में भी घुस रहा है। आने-जाने वालों के लिए ये रास्ता मुसीबत की तरह है। कई बार यहां कई लोग चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय निवासी कपिल ने बताया कि आकाशनगर में कई रास्तों का निर्माण दो-दो बार कराया जा चुका है। परन्तु कृष्णा स्वीट्स के सामने वाली गली की अभी तक भी मरम्मत नहीं हुई है। ग्राम प्रधान बजट न होने का हवाला देकर मामले को बार-बार टरका देते हैं। सुबह-सुबह स्कूल की वेशभूषा में बच्चे गन्दगी से होकर गुजरते हैं, पर समाधान के नाम पर कोई खैर खबर नहीं। बच्चे और बुजुर्गों का रास्ते से निकलना दुश्वार हो रहा है आकाशनगर की तमाम गलियों का पानी नजदीक के ही तालाब में जाता है, परन्तु ये रास्ता बेहद नीचा हो जाने के कारण पानी मुख्य नाले की धारा तक पहुंचता ही नहीं है बल्कि विपरीत दिशा में बहकर गलियों में ही इकट्ठा हो जाता है। यहां समस्या अब विकराल रूप ले रही है। चूंकि अब मानसून के चलते अत्यधिक जलभराव होने पर मच्छरों से मलेरिया और अन्य बीमारियों के पनपने का खतरा बढ़ गया है जो एक और मुसीबत खड़ी कर रहा है। कुल मिलाकर आकाशनगर के लोग नीचे रास्तों पर हुए जलभराव के कारण मुसीबत झेल रहे हैं। उधर, गांव मसूरी में पानी की निकासी न होने से जगह जगह जलभराव होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पडी।

चिनहट में मॉन्जिनीज केक शॉप का भव्य उद्घाटन

(जीएनएस)।

लखनऊ। चिनहट के सतरिख रोड़ पर श्रीमती राज रत्न लक्ष्मी के नए प्रतिष्ठान मॉन्जिनीज केक शॉप का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं बख्शी का तालाब (BKT) के स्थानीय विधायक योगेश शुक्ला ने फीता काटकर उद्घाटन किया। श्री योगेश शुक्ला जी ने इस नई पहल के लिए श्रीमती राज रत्न लक्ष्मी जी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रतिष्ठान सफलता और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुए और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। मॉन्जिनीज यूपी डायरेक्टर शशि कुमार ने बताया कि कृष्णा नगर, आशियाना, इंदिरा नगर, चौक, अलीगंज सेक्टर जे और निराला नगर जानकीपुरम के बाद यह आठवां स्टोर राजधानी चिनहट में शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि शहीद पथ के पास औरंगाबाद में फैक्ट्री की शुरूआत की गई है। मॉन्जिनीज केक शॉप में विभिन्न प्रकार के ताजे केक्स के साथ अन्य सभी उच्च गुणवत्ता वाले बेकरी उत्पाद भी मिलेंगे। उद्घाटन समारोह में मॉन्जिनीज यू0 पी0 डायरेक्टर शशि कुमार ,शैलेन्द्र पांडेय, राजेश रावत, सत्यजीत कुमार, कार्तिक कुमार गुप्ता , सुदीप्त रत्न, सौम्या रत्न, मॉन्जिनीज भारत में 15 राज्यों में 2000 प्लस शोरूम विदेशो के बाहर 500 प्लस शोरूम, सिद्धांत रत्न, रेनू गुप्ता सहित स्थानीय गणमान्यजन मौजूद रहे। गुलाबी और सफेद गुब्बारों से सजे इस अवसर पर मिठास और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला।

चूल्हे में खाना बनाने को लेकर सास बहू में बढ़ा विवाद मां-बेटी ने खाया जहर, इलाज के दौरान दोनों की मौत

(जीएनएस)।

अमौली, फतेहपुर । सामान्य घरेलू विवाद ने एक बड़ा रूप ले लिया जिसके बाद मां-बेटी ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। जाफरगंज थाना क्षेत्र के खानपुर कदीम गांव निवासी बच्छराज मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसके दो बेटे रूपेश और उपेश दिल्ली में रहकर प्राइवेट कंपनियों में काम करते हैं। घर में बच्छराज की पत्नी गंगाजली, बेटी अर्चना, बहू करिश्मा और अन्य परिजन रहते हैं। रक्षाबंधन के मौके पर

बेटा रूपेश घर आया था। गुरुवार को रसोई में खाना बनाने को लेकर सास-बहू के बीच कहासुनी हो गई। सास गंगाजली और बेटी अर्चना चाहती थीं कि खाना चूल्हे पर बने, जबकि बहू करिश्मा, जो गर्भवती थी, गैस सिलेंडर का प्रयोग करना चाहती थी। विवाद बढ़ा तो आरोप है कि सास ने बहू को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर पड़ी और उसे पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। रूपेश पत्नी को इलाज के लिए तुरंत बिंदकी ले गया, वहीं पीछे से मां गंगाजली और बेटी अर्चना ने घबराहट और तनाव में घर में रखे जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जब उनकी हालत बिगड़ी तो परिजन आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहानाबाद लेकर पहुंचे, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने मां-बेटी का अंतिम संस्कार कानपुर के भैरव घाट में कर दिया। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

काकोरी क्रांति के ट्रेन एक्शन स्थल पर अमर शहीदों को श्रद्धा सुमन : 100 वर्ष पूर्व की क्रान्ति गाथा सुन रोमांचित हो गए लोग

सर्वजन हिताय संरक्षण समिति के तत्वावधान में आज केकरी क्रांति के ट्रेन एक्शन घटना स्थल पर अमर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया । इस अवसर पर आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने ट्रेन एक्शन घटनास्थल पर खड़े होकर लोगों को 100 वर्ष पूर्व की घटना का वृत्तान्त सुनाया। शैलेंद्र दुबे ने कहा की यह वह ऐतिहासिक स्थल है जहां पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, चन्द्र शेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिड़ी और अन्य क्रांतिकारियों ने 08 डाउन सहारनपुर पैसेंजर की चेन खींचकर ट्रेन रोक दी और ब्रिटिश सरकार का खजाना अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक घटना थी जिसके बिना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम लिखा ही नहीं जा सकता। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई जबकि उन्होंने किसी की

हत्या नहीं की थी। ब्रिटिश जज ने अपने फैसले में लिखा कि इन लोगों ने किसी की हत्या नहीं की है फिर भी हम इन्हें इसलिए फांसी की सजा सुना रहे हैं क्योंकि उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी और उनका उद्देश्य ब्रिटिश हुकूमत को भारत से उखाड़ फेंकना था। उन्होंने 100 साल पहले हुई क्रांति की पूरी दास्तान जब सुनाया तो उपस्थित लोगों के रोंगटे खड़े हो गए और सभी लोग भाव विह्वल हो गए इस अवसर पर सर्वजन हिताय संरक्षण समिति की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रीना त्रिपाठी ने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को अलग-अलग जेल में फांसी दिए जाने का वृत्तान्त सुनाया।इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वाहिद, काकोरी स्मारक के केयरटेकर मुन्नीलाल राजपूत, नवनीत कुमार चौहान, गुड्डू मुक्तेश्वर आनंद, तथा छोटे बच्चों नेअमर शहीदों की जयकार और भारत माता की जय के नारे के साथ अमर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने का कार्यक्रम समाप्त हुआ।@रीना त्रिपाठी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सर्वजन हिताय संरक्षण समिति।

भाई की कलाई पर बहन का प्यार, मुबारक हो आपको राखी का त्यौहार

(जीएनएस)।

फतेहपुर :- भाई और बहन के रिश्ते को फौलाद-सी मजबूती देने वाला एवं सामाजिक और पारिवारिक एक बद्धता एवं एक सूत्रता का सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों का अनूठा पर्व है रक्षाबंधन। ऐसा माना जाता है कि राखी के रंगबिरंगे धागे भाई-बहन के प्यार के बन्धन को मजबूत करते हैं और सुख-दुख में साथ रहने का विश्वास दिलाते हैं। सगे भाई बहन के अतिरिक्त अनेक भावनात्मक रिश्ते भी इस पर्व से बँधे होते हैं जो धर्म, जाति और देश की सीमाओं से परे हैं। यही कारण है कि यह मानवीय सम्बन्धों की रक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीयता को सुदृढ़ करने के संकल्पों का भी पर्व है। भाई-बहन का प्रेम बड़ा अनूठा और अद्वितीय माना गया है। बहनों में उमंग और उत्साह को संचारित करता है, वे अपने प्यारे भाइयों के हाथ में राखी बांधने को आतुर होती हैं। बेहद शालीन और सात्विक स्नेह संबंधों का यह पर्व सदियों पुराना है। यूं तो भाई-बहन के पवित्र संबंध के महत्व को हमारे देश में कई पर्व-त्योहारों में प्रतिबिंबित किया गया है। उनमें रक्षाबंधन सर्वोपरि है, धार्मिक एवं अलौकिक महत्व का यह त्योहार बहन भाई के स्नेह, अपनत्व एवं प्यार के धागों से जुड़ा है, जो घर-घर में भाई-बहिन के रिश्तों में नवीन ऊर्जा एवं आपसी प्रगाढ़ता का संचार करता है। रक्षाबंधन का गौरव अंतहीन पवित्र प्रेम की कहानी से जुड़ा है। उड़ीसा में पुरी का सुप्रसिद्ध जगन्नाथ मन्दिर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित है। भाई-बहन के रिश्ते को भारत के हर धर्म एवं परम्परा में पवित्रता की नजर से देखा गया है। लेकिन विश्व की दूसरी संस्कृतियों में स्त्री-पुरुष के आपसी संबंधों में भाई-बहन वाले रिश्ते को इतनी पवित्रता, उत्सव मयता एवं गरिमापूर्ण ढंग से निभाने के और उदाहरण कम ही मिलते हैं। राखी से जुड़ी एक सुंदर घटना का उल्लेख महाभारत में मिलता है। सुंदर इसलिए क्योंकि यह घटना दशार्ती है कि भाई-बहन के स्नेह के लिए उनका सगा होना जरूरी नहीं है। कथा है कि जब युधिष्ठिर इंद्रप्रस्थ में राजसूय यज्ञ कर रहे थे उस समय सभा में शिशुपाल भी मौजूद था। शिशुपाल ने भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किया तो श्रीकृष्ण ने अपने सुदर्शन चक्र से उसका वध कर दिया। लौटते हुए सुदर्शन चक्र से भगवान की छोटी उंगली थोड़ी कट गई और रक्त बहने लगा। यह देख द्रौपदी आगे आईं और उन्होंने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़ कर श्रीकृष्ण की उंगली पर लपेट दिया। इसी समय श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को वचन दिया कि वह एक-एक धागे का ऋण चुकाएंगे। इसके बाद जब कौरवों ने द्रौपदी का चीरहरण करने का प्रयास किया तो श्रीकृष्ण ने चीर बढ़ा कर द्रौपदी के चीर की लाज रखी। राखी के बारे में भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ, तब दानव हावी होते नजर आने लगे। भगवान इंद्र घबराकर बृहस्पति के पास गए। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मंत्रों की शक्ति से पवित्र

करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह दिन भी श्रावण पूर्णिमा का दिन था। रक्षा बन्धन आत्मीयता और स्नेह के बन्धन से रिश्तों को मजबूती प्रदान करने का पर्व है। यही कारण है कि इस अवसर पर न केवल बहन भाई को ही अपितु अन्य सम्बन्धों में भी रक्षा (या राखी) बाँधने का प्रचलन है। स्कन्ध पुराण, महापुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षा बन्धन का प्रसंग मिलता है। कथा कुछ इस प्रकार है- दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं में खलबली मच गयी और वे सभी भगवान विष्णु से प्रार्थना करने पहुंचे। तब भगवान वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा माँगने पहुँचे। गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह पर्व बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है। रक्षाबंधन का महत्व एवं मनाने की बात महाभारत में भी उल्लेखित है कि जब ज्येष्ठ पाण्डव युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं तब भगवान श्रीकृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर आपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बाँधने के कई उल्लेख मिलते हैं। एक अन्य कथा के अनुसार सिकंदर जब विश्वविजय के लिए निकला तो उसकी पत्नी ने अपने पति के हिंदू शत्रु महाराज पुरू को राखी बांधकर मुंह बोला भाई बना लिया था और उससे सिकंदर को न मारने का वचन ले लिया था। पुरू ने युद्ध के दौरान हाथ में बंधी राखी का मान रखा और सिकंदर को जीवनदान दे दिया।